

**SEMESTER X****TEACHING HOURS – 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : भारतीय साहित्य	4	4	0	0		Nil

**Master's in Core Subject**Programme: **HINDI**

Year: V

Semester: X  
Paper: **DSC**Course Code: **DSC<sup>10</sup>**

Course Title: भारतीय साहित्य

**Course Outcomes:**

- CO1. शिक्षार्थी भारतीयता की मूल भावना, भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति तथा समाजशास्त्र से परिचित होता है।
- CO2. शिक्षार्थी अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के हिन्दी अनुवाद और अध्ययन की समस्याओं से परिचित होता है।
- CO3. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के समग्र स्वरूप और महत्व का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी भारत के दक्षिणी भाषा वर्ग(मलयालम, तमिल, तेलगु व कन्नड़), पूर्वी भाषा वर्ग (उड़िया, बंगला, असमिया व मणिपुरी तथा पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग( मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी व उर्दू) के साहित्य का सामान्य परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित अनूदित पुस्तकों के अध्ययन से भारतीय साहित्य का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन से जनसाधारण के स्तर पर राष्ट्र की एकता, सम्पूर्णता, विराटता व अखंडता का साक्षात्कार करता है।

CO7. शिक्षार्थी में राष्ट्रगौरव और राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास होता है

**Credits: 4**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	भारतीय साहित्य : मूलचंद गौतम, , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली	25
Unit II	भारतीय साहित्य : आशा और आस्था – सम्पादक डॉ. आरसु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली	25
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

**सहायक ग्रंथ –**

1. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : एहतेशाम हुसैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मराठी और उसका साहित्य : प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य : लक्ष्मीकांत पांडेय एवं प्रमिला अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भारतीय साहित्य की भूमिका– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

**TEACHING HOURS – 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	4	0	0		Nil

<b>Master's in Core Subject</b>		
<b>GROUP- 1</b>		
Programme: <b>HINDI</b>	Year: V	Semester: X Paper: <b>DSE</b>
CourseCode: <b>DSE<sup>14</sup></b>	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि	
<b>Course Outcomes:</b> CO1. आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है। CO2. गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक-राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। CO3. चन्द्रकुंवर बर्त्वाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय		

व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए संवाहक हैं, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.हरीशचन्द्र पांडे समकालीन हिन्दी कविता में नब्बे के दशक के प्रमुख कवि हैं। देश में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7.शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

**Credits: 4**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	कहै गुमानी, चयन तथा सम्पादन – उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ)	10
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुँवर बर्तवाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ)	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ)	10

Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10
Unit VI	मेरी चुनिन्दा कविताएँ -हरीशचंद्र पाण्डेय, साहित्य भंडार, इलाहाबाद(व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

**सहायक ग्रंथ –**

1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली,
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

**TEACHING HOURS – 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	4	4	0	0		Nil

<b>Master's in Core Subject</b>		
Programme: <b>HINDI</b>	Year: V	Semester: X

CourseCode: DSE<sup>15</sup>

Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार

**Course Outcomes:**

- CO1. हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कथाकारों का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान व स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कथाकारों के समग्र योगदान और महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों का कृतित्व का परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कसप के अध्ययन से हिन्दी साहित्य में विकसित हो रहे नवीन उत्तरआधुनिक कथ्य (स्थानीय-आंचलिक एवं मुक्त-ग्लोबल) एवं शिल्प का परिचय तथा उसका सैद्धान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास गोबर गणेश के अध्ययन से उत्तराखंड के कुमाउनी अंचल के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवनमूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का सैद्धान्तिक आलोचनात्मक प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोवैज्ञानिक कहानी, नयी कहानी, प्रगतिशील कहानी, अकहानी, आंचलिक अकहानी आदि) में उत्तराखंड के कहानीकारों के महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

**Credits: 4**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	मनोहरश्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20

Unit II	रमेशचंद्र शाह: गोबर गणेश (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit III	पाँच कहानियाँ (1. दुष्कर्म- इलाचन्द्र जोशी, 2. रज्जो- रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 3. हलवाहा- शेखर जोशी, 4. बीच की दरार- गंगाप्रसाद 'विमल', 5. अ-रचित- दिवा भट्ट)- संपा. डॉ. जगतसिंह बिष्ट, प्रकाश प्रकाशन, चौघानपाटा, अल्मोड़ा।	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc )	5

#### सहायक ग्रंथ –

1. पालतू बोहेमियन : प्रभात रंजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. बातें -मुलाक़ातें : मनोहरश्यामजोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मेरे साक्षात्कार : रमेशचंद्र शाह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. वाद-संवाद : रमेशचंद्र शाह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. संवेद- मुझे अच्छी तरह से देख (रमेशचंद्र शाह पर केंद्रित अंक), वर्ष 10 अंक 5-6, मई-जून 2018, प्रकाशक -<https://notnul.com>

#### TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		

DSE : आधुनिक हिन्दी काव्य(छायावादोत्तर)	4	4	0	0		Nil
--	---	---	---	---	--	-----

<b>Master's in Core Subject</b>				
Programme: – Hindi			Year: V	Semester: X
			Paper- DSE	
Course Code: DSE <sup>16</sup>	Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर)			
<b>Course Outcomes:</b>				
CO1. शिक्षार्थी छायावादोत्तर हिन्दी कविता और उसकी विभिन्न काव्यधाराओं यथा प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।				
CO2. शिक्षार्थी दिनकर के महाकाव्य उर्वशी के अध्ययन से भारतीय दर्शन की परम्परा से परिचित होता है तथा आधुनिक संसार में उसकी पुनर्व्याख्या का संधान करता है, जिससे उसे भेदबुद्धि यथा पाप-पुण्य, स्वर्ग-नर्क, ऊँच-नीच आदि से ऊपर उठकर संसार को समझने की चेतना, प्रेरणा व ज्ञान प्राप्त होता है।				
CO3. शिक्षार्थी नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताओं के अध्ययन से प्रगतिशील हिन्दी कविता के स्रोत सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करता है। वह देश की वंचित, विपन्न, जातीय व वर्गीय भेदभाव की शिकार साधारण जनता की पीड़ा और संघर्ष को समझने की प्रेरणा पाता है तथा कविता में उस पीड़ा और संघर्ष की अभिव्यक्ति से काव्य-प्रयोजन की एक सर्वथा नवीन दिशा का ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।				

CO4.शिक्षार्थी अज्ञेय, मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर सिंह, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, लीलाधर जगूड़ी, अशोक वाजपेयी आदि की कविताओं के अध्ययन से प्रयोगवाद, नयी कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि का रचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी छायावादोत्तर काल की हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

**Credits:4**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	छायावादोत्तर हिन्दी कविता का परिचय। प्रमुख काव्यान्दोलन	10
Unit II	समकालीन हिन्दी कविता	10
Unit III	रामधारी सिंह दिनकर: उर्वशी (व्याख्या के लिए केवल तृतीय सर्ग) प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	10
Unit IV	वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन': नागार्जुन' की प्रतिनिधि कविताएँ, (उनको प्रणाम, बादल को घिरते देखा है, मेरी भी आभा है इसमें, प्रतिबद्ध हूँ, वो हमें चेतावनी देने आये थे, सिन्दूर तिलकित भाल, वह दन्तुरित मुस्कान, यह तुम थीं, गुलाबी चूड़ियाँ, खुरदरे पैर, घिन तो नहीं आती है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, शासन की बन्दूक) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	10
Unit V	समय राग - संपादक: डा. मधुबाला नयाल: (व्याख्या हेतु सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, अशोक वाजपेयी, लीलाधर जगूड़ी और अरुण कमल की सभी रचनाएँ), ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।	10

	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10
--	---	----

**सहायक ग्रंथ -**

1. कल्पना का उर्वशी विवाद : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. समकालीन हिन्दी कविता : ए अरविन्दाक्षन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. नई कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
4. मुक्तिबोध – कविता और जीवन विवेक : चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
5. नागार्जुन और उनकी कविता : नंदकिशोर नवल राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
6. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
7. कई उम्रों की कविता: शिरीष कुमार मौर्य, आधार प्रकाशन
8. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

**TEACHING HOURS – 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		

DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	4	0	0		Nil
-------------------------------	---	---	---	---	--	-----

### Master's in Core Subject

#### GROUP- 2

Programme: -HINDI

Year: V

Semester:X  
Paper-DSE

CourseCode: DSE<sup>14</sup>

Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि

#### Course Outcomes:

- CO1. आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
- CO2. गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक-राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. चन्द्रकुंवर बर्त्वाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए संवाहक हैं, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. हरीशचन्द्र पांडे समकालीन हिन्दी कविता में नब्बे के दशक के प्रमुख कवि हैं। देश में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

**Credits: 4**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	कहै गुमानी, चयन तथा सम्पादन – उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ)	10
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुंवर बर्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10
Unit VI	मेरी चुनिन्दा कविताएँ -हरीशचंद्र पाण्डेय, साहित्य भंडार, इलाहाबाद(व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली,
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	4	4	0	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:X Paper- DSE
CourseCode: DSE <sup>15</sup>	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	

**Course Outcomes:**

- CO1. हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कथाकारों का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान व स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कथाकारों के समग्र योगदान और महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों का कृतित्व का परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कसप के अध्ययन से हिन्दी साहित्य में विकसित हो रहे नवीन उत्तरआधुनिक कथ्य (स्थानीय-आंचलिक एवं मुक्त-ग्लोबल) एवं शिल्प का परिचय तथा उसका सैद्धान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास गोबर गणेश के अध्ययन से उत्तराखंड के कुमाउनी अंचल के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवनमूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का सैद्धान्तिक आलोचनात्मक प्राप्त करता है।
- CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोवैज्ञानिक कहानी, नयी कहानी, प्रगतिशील कहानी, अकहानी, आंचलिक अकहानी आदि) में उत्तराखंड के कहानीकारों के महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

**Credits: 4**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	मनोहरश्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit II	रमेशचंद्र शाह: गोबर गणेश (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit III	पाँच कहानियाँ (1. दुष्कर्मी- इलाचन्द्र जोशी, 2. रज्जो- रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 3. हलवाहा- शेखर जोशी,	15

	4. बीच की दरार- गंगाप्रसाद 'विमल', 5. अ-रचित- दिवा भट्ट)- संपा. डॉ. जगतसिंह बिष्ट, प्रकाश प्रकाशन, चौघानपाटा, अल्मोड़ा।	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc )	5

**सहायक ग्रंथ –**

1. पालतू बोहेमियन : प्रभात रंजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. बातें -मुलाक़ातें : मनोहरश्यामजोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मेरे साक्षात्कार : रमेशचंद्र शाह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. वाद-संवाद : रमेशचंद्र शाह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. संवेद- मुझे अच्छी तरह से देख (रमेशचंद्र शाह पर केंद्रित अंक), वर्ष 10 अंक 5-6, मई-जून 2018, प्रकाशक -<https://notnul.com>

**TEACHING HOURS – 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	4	4	0	0		Nil

**Master's in Core Subject**

Programme: – Hindi		Year: V	Semester: X
Course Code: GE <sup>13</sup>		Course Title: विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	
<p><b>Course Outcomes:</b></p> <p>CO1. प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों ने हिन्दी में कथा साहित्य को एक स्थायी एवं सशक्त आधार प्रदान किया है। आज भी उनकी परम्परा में कथा लेखन होता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य की परम्परा और उसमें प्रेमचंद के योगदान एवं महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।</p> <p>CO2. रंगभूमि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्व के भारत की बदल रही राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों और सामाजिक जीवनमूल्यों के बीच सम्बन्धों की कथा कहता है। अत्यन्त वंचित और विपन्न अंधे भिखारी को नायक बनाने वाले इस उपन्यास से अध्ययन शिक्षार्थी उन आर्थिक दिशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है, जिन्होंने स्वतंत्रता पश्चात देश का सामना होना था।</p> <p>CO3. शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>CO4. शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधों के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>CO5. प्रेमचंद जन साधारण के जीवन के कहानीकार हैं। उनकी प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से शिक्षार्थी प्रेमचंद की कहानियों के अन्तर्वस्तु और शिल्प का परिचय प्राप्त करता है।</p> <p>CO6. शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है, जो परवर्ती उच्चस्तरीय शोधादि कार्यों में सहायक होती है।</p>			
Credits: 4			
Unit	Topic	No. of	

		Hours
Unit I	रंगभूमि	20
Unit II	कुछ विचार	15
Unit III	प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद – सम्पादक : भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	20
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

#### सहायक ग्रंथ –

1. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद के विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद के आयाम : अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद एक विवेचन: इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रेमचंद – कलम का सिपाही : अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद(राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली का अनुषंग)

#### TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course	Eligibility criteria	Pre-requisite of the
--------------	---------	-----------------------------------	----------------------	----------------------

		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		course(if any)
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	4	0	0		Nil

### Master's in Core Subject

#### GROUP- 3

Programme: -HINDI

Year: V

Semester:X  
Paper-DSE

CourseCode: DSE<sup>14</sup>

Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि

#### Course Outcomes:

- CO1. आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
- CO2. गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक-राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO3. चन्द्रकुंवर बर्तवाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO4. लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे

आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए संवाहक हैं, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. हरीशचन्द्र पांडे समकालीन हिन्दी कविता में नब्बे के दशक के प्रमुख कवि हैं। देश में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

**Credits: 4**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	कहै गुमानी, चयन तथा सम्पादन – उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ)	10
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुंवर बर्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	10

Unit VI	मेरी चुनिन्दा कविताएँ -हरीशचंद्र पाण्डेय, साहित्य भंडार, इलाहाबाद(व्याख्या के लिए आरंभ की दस कविताएँ )	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

**सहायक ग्रंथ –**

1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली,
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

**TEACHING HOURS – 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	4	4	0	0		Nil

<b>Master's in Core Subject</b>			
Programme: – Hindi			Year: V Semester: X Paper- GE

Course Code: <b>GE13</b>	Course Title: <b>विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद</b>	
<p><b>Course Outcomes:</b></p> <p>CO1. प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों ने हिन्दी में कथा साहित्य को एक स्थायी एवं सशक्त आधार प्रदान किया है। आज भी उनकी परम्परा में कथा लेखन होता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य की परम्परा और उसमें प्रेमचंद के योगदान एवं महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।</p> <p>CO2. रंगभूमि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्व के भारत की बदल रही राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों और सामाजिक जीवनमूल्यों के बीच सम्बन्धों की कथा कहता है। अत्यन्त वंचित और विपन्न अंधे भिखारी को नायक बनाने वाले इस उपन्यास से अध्ययन शिक्षार्थी उन आर्थिक दिशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है, जिन्होंने स्वतंत्रता पश्चात देश का सामना होना था।</p> <p>CO3. शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>CO4. शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधों के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है।</p> <p>CO5. प्रेमचंद जन साधारण के जीवन के कहानीकार हैं। उनकी प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से शिक्षार्थी प्रेमचंद की कहानियों के अन्तर्वस्तु और शिल्प का परिचय प्राप्त करता है।</p> <p>CO6. शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है, जो परवर्ती उच्चस्तरीय शोधादि कार्यों में सहायक होती है।</p>		
<b>Credits:4</b>		
<b>Unit</b>	<b>Topic</b>	<b>No. of Hours</b>
Unit I	रंगभूमि	20

Unit II	कुछ विचार	15
Unit III	प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद – सम्पादक : भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	20
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

**सहायक ग्रंथ –**

1. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद के विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद के आयाम : अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद एक विवेचन: इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रेमचंद – कलम का सिपाही : अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद(राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली का अनुषंग)

**TEACHING HOURS – 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		

GE : विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	4	4	0	0		Nil
------------------------------	---	---	---	---	--	-----

<b>Master's in Core Subject</b>		
Programme: - Hindi	Year: V	Semester: X Paper- GE
Course Code: GE <sup>14</sup>	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	
<b>Course Outcomes:</b> CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी भारतीय दर्शन में ईश्वर के स्वरूप पर हुई मीमांसा का ज्ञान प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी भारतीय अध्यात्म एवं भक्ति में ज्ञानयोग की निर्गुणधारा और प्रेम माधुर्य की सगुणोपासना के विमर्श का ज्ञान प्राप्त करता है। CO4. शिक्षार्थी लोक और प्रकृति के कार्य-व्यवहार का रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। CO5. शिक्षार्थी ईश्वर की लौकिकता और उससे सम्भव हुई संसार और समाज की शुभ्रता का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO6. शिक्षार्थी उच्च जीवन मूल्यों तथा नैतिकता का ज्ञान प्राप्त करता है।		
<b>Credits:4</b>		
<b>Unit</b>	<b>Topic</b>	<b>No. of Hours</b>
Unit I	सूरसागर सार - संपा. धीरेन्द्र वर्मा: चयनित 25 पद	25

	टिप्पणी: सूरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।	
Unit II	सैद्धान्तिक अध्ययन हेतु : सूरदास – आचार्य, रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली	25
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

**सहायक ग्रंथ –**

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सूर-साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सूरदास : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सूर-विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

**TEACHING HOURS – 60**

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course	Eligibility criteria	Pre-requisite of the
--------------	---------	-----------------------------------	----------------------	----------------------

		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		course(if any)
DSE : DISSERTATION	6	6	0	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: - Hindi	Year: V	Semester: X Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION	
<b>Course Outcomes:</b> CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।		
<b>Credits:6</b>		
Unit	Topic	No. of Hours

GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III OR	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	